अंदर के पेजों पर पढ़ें
2 छत्तीसगढ़ में नक्सली समस्या से निपटना बनी चुनौती...
6 रोहित शर्मा की बैटिंग से टूट गए सारे रिकार्ड...
7 विकासखण्ड स्तर पर नवीन मिट्टी परीक्षण प्रयोगशालाओ भवन ...

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 11 अंक-22 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 25 जून से 01 जुलाई 2024 पृष्ठ-8 मूल्य -2

दिल्ली के सीएम केजरीवाल को CBI ने एक्साइज पॉलिसी मामले में किया गिरफ्तार

सीबीआई ने दिल्ली के सीएम और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया है। नई दिल्लीः एक्साइज पॉलिसी मामले में सीबीआई ने दिल्ली के सीएम और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया है। कोर्ट की इजाज़त के बाद सीबीआई ने पहले कोर्ट रूम में ही केजरीवाल से पूछताछ की फिर औपचारिक तौर पर गिरफ्तार कर लिया। सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल का अरेस्ट मेमो कोर्ट को दिया। सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि हमने केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया है।

नई दिल्ली: एक्साइज पॉलिसी मामले में सीबीआई ने दिल्ली के सीएम और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया है। कोर्ट की इजाज़त के बाद सीबीआई ने पहले कोर्ट रूम में ही केजरीवाल से पूछताछ की फिर औपचारिक तौर पर गिरफ्तार कर लिया। सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल का अरेस्ट मेमो कोर्ट को दिया। सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि हमने केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया है।

मंगलवार को भी सीबीआई ने की थी पूछताछ

इससे पहले अरविंद केजरीवाल को आबकारी मामले में तिहाड़ जेल के अधिकारियों ने राउज एवन्यू कोर्ट में को पेश किया। केजरीवाल को विशेष न्यायाधीश अमिताभ रावत के समक्ष पेश किया गया जहां सीबीआई ने उनसे पूछताछ करने के लिए उन्हें हिरासत में दिए जाने का अनुरोध किया। सीबीआई ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता से मंगलवार शाम को तिहाड़ जेल में पूछताछ की थी।

हाई कोर्ट ने जमानत पर लगाई थी रोक

वहीं, मंगलवार को हाई कोर्ट ने केजरीवाल को जमानत देने से इनकार करते हुए निचली अदालत के फैसले को पलट दिया। निचली अदालत ने केजरीवाल को जमानत दे दी थी लेकिन इस आदेश के खिलाफ जांच एजेंसी ने हाई कोर्ट में अपील कर दिया था। ईडी ने कहा कि निचली अदालत ने उसके वकील से अपनी दलीलें %छोटी% करने को कहा और कानूनी उपायों का लाभ उठाने के उसके अधिकार को भी सीमित कर दिया गया, क्योंकि जमानत आदेश अगले दिन सुबह 11 बजे के बाद तक अपलोड नहीं किया गया। इसने कहा कि केजरीवाल की जमानत रद्द की जानी चाहिए क्योंकि यह अवैध और विकृत है।

सुप्रीम कोर्ट में केजरीवाल ने डाली है याचिका

अवकाशकालीन न्यायाधीश के रूप में विशेष न्यायाधीश न्याय बिंदु ने 20 जून को केजरीवाल को जमानत दे दी थी और कहा था कि ईडी मनी लांड्रिंग मामले में अपराध की आय से उन्हें जोड़ने वाले प्रत्यक्ष साक्ष्य प्रस्तुत करने में विफल रहा है। इक्कीस जून को हाई कोर्ट ने स्थगन के मुद्दे पर फैसला सुनाये जाने तक जमानत आदेश के क्रियान्वयन को स्थगित कर दिया था। केजरीवाल ने अपनी जमानत पर अंतरिम रोक के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। सोमवार को शीर्ष अदालत ने उनकी याचिका पर सुनवाई के लिए 26 जून की तारीख तय की और कहा कि वह इस मुद्दे पर उच्च न्यायालय के आदेश की घोषणा की प्रतीक्षा करना चाहेगी।

कैंडिडेट खड़ा किया, विपक्ष ने नहीं मांगा मत विभाजन... स्पीकर चुनाव पर क्या थी रणनीति?

बीजेपी सांसद ओम बिरला दूसरी बार लोकसभा स्पीकर चुने गए हैं. सदन में ध्वनि मत से फैसला हुआ है. इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह समेत सत्ता पक्ष के तमाम सांसदों ने लोकसभा स्पीकर पद के लिए ओम बिरला के नाम का प्रस्ताव रखा. शिवराज सिंह चौहान, नितिन गडकरी समेत आरएलडी और जेडीयू सांसदों ने समर्थन किया. बिरला के स्पीकर चुने जाने पर पीएम मोदी ने बधाई दी और कोरोना काल में उनकी संवेदनशीलता का जिक्र किया.

तीन बार के क्क्क्क सांसद ओम बिरला मंगलवार को लगातार दूसरी बार लोकसभा के स्पीकर चुन लिए गए हैं. बिरला का चुनाव ध्वनिमत से हुआ. पहले ऐसे आसार बन रहे थे कि स्पीकर पर मत विभाजन होगा लेकिन बिरला ध्वनि मत से निर्वाचित घोषित कर लिए गए. विपक्ष ने के सुरेश को अपना उम्मीदवार बनाया था. बिरला ऐसे छठे स्पीकर बन गए हैं जो दूसरी बार निर्वाचित हुए हैं. वो ऐसे दूसरे स्पीकर हैं, जो एक कार्यकाल पूरा होने के बाद दूसरे कार्यकाल के लिए चुने गए है. बिरला के स्पीकर बनने पर पीएम मोदी उन्हें बधाई दी और कहा, ओम बिरला को बहुत बड़ा दायित्व सौंपा गया है. बिरला का पांच साल का अनुभव काफी काम आएगा. सबको विश्वास है कि आने वाले वक्त में बिरला बतौर स्पीकर सबका मार्गदर्शन करेंगे.

प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब ने नतीजे का ऐलान किया. उसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विपक्ष के नेता राहुल गांधी और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू बिरला को स्पीकर की कुर्सी तक ले गए और शुभकामनाएं दीं.

NDA सरकार को घेरने के लिए राहुल गांधी करेंगे ये फैसला! अखिलेश को मिलेगी अहम जिम्मेदारी?

Rahul Gandhi ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष का जिम्मा संभाल लिया है. अब कुछ सवाल उठ रहे हैं जिनका जवाब राहुल गांधी और कांग्रेस के ही पास है.

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपने पूर्व अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के रायबरेली लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से सांसद राहुल गांधी से आग्रह किया था कि वह निचले सदन में नेता प्रतिपक्ष का जिम्मा संभालें. इस पर राहुल गांधी ने कांग्रेस कार्यसमिति में कहा था कि वह इस पर विचार करेंगे. अब मंगलवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ऐलान किया कि राहुल गांधी ही नेता प्रतिपक्ष होंगे. लोकसभा में अगर किसी दल को कुल सीटों का 10 फीसदी या उससे ज्यादा हासिल होता है तो वह विपक्षी दल का दर्जा हासिल करता है. साल 2014 के बाद पहली बार कांग्रेस को लोकसभा में विपक्ष का दर्जा मिलेगा. साल 2014 में कांग्रेस को 44 और साल 2019 में 52 सीटें मिलीं थीं.

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के लिए राहुल गांधी के नाम की चर्चा होने के बाद यह सवाल उठ रहे हैं कि क्या पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष अपनी मां सोनिया गांधी के रास्ते पर चलेंगे? संभव है कि इंडिया अलायंस को भविष्य में भी मजबूत और आक्रामक बनाए रखने के लिए राहुल संसद में अपने सहयोगी और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को भी अहम जिम्मेदारी दे सकते हैं.

काउंसिलिंग करें या CBI रिपोर्ट का इंतजार? दांव पर लगा करियर, NEET UG पेपर लीक पर छलका छात्र-छात्राओं का दर्द

नीट परीक्षा रद्द होने के बाद से लगातार जांच चल रही है। देश की सबसे बड़ी जांच एजेंसी मामले की जांच में जुटी है। आठ जुलाई तक रिपोर्ट सौंपनी है।

हालांकि इन सबके बीच 6 जुलाई से काउंसिलिंग भी शुरू होगी। अब ऐसे में विद्यार्थियों की चिंता बढ़ने लगी है कि क्या काउंसिलिंग करें या सीबीआई रिपोर्ट का इंतजार करें?

एक ओर जहां नीट 2024 की परीक्षा में गड़बड़ी की जांच देश की सबसे बड़ी जांच एजेंसी सीबीआइ कर रही है वहीं दूसरी ओर जिन विद्यार्थियों ने परीक्षा में सफलता प्राप्त की है उनकी चिंता भी बढ़ने लगी है। उन्हें इस बात की चिंता सता रही है कि कहीं जांच के बाद परीक्षा को रद्द न कर दिया जाए, जबकि 6 जुलाई से काउंसिलिंग भी शुरु होगी और 8 जुलाई तक सीबीआइ को अपनी रिपोर्ट भी सुपुर्द करनी है।

लिहाजा, यह बड़ा रोचक क्षण साबित होगा कि दो दिन पूर्व या तो सरकार काउंसिलिंग कराए या फिर 8 जुलाई को सीबीआइ की रिपोर्ट का इंतजार करे। इन परिस्थिति में अभ्यर्थियों के बीच ऊहापोह की स्थिति बनी हुई है। उन्हें इस बात की चिंता सता रही है कि कहीं परीक्षा रद्द हो गई तो सब बेकार साबित हो जाएगा। नए सिरे से तैयारी करनी होगी। हालांकि, वैसे अभ्यर्थी जिनकी परीक्षा बेहतर नहीं गई या फिर जो पास नहीं हो पाए उनके लिए यह नया अवसर साबित होगा।

संपादकीय

सरकार का दावा है कि अब राज्य में नक्सली समूहों पर नकेल कसा जा चुका है और उनका प्रभाव बहुत छोटे इलाके में ही सीमित रह गया है। छत्तीसगढ़ में नक्सली समस्या से निपटने के लिए सरकार ने कई स्तर पर अभियान चला रखा है। सुरक्षा बलों के विशेष दस्ते से लेकर हर पल निगरानी और खुफिया तंत्र की चौकसी के दावे के साथ नक्सली समूहों और उनके हमलों को नाकाम करने और उनका सफाया करने की बातें बहुत लंबे समय से की जाती रही हैं। मगर आज भी हालत यह है कि आए दिन नक्सल प्रभावित इलाकों से जब सुरक्षा बलों का गुजरना होता है, तो उन पर कभी भी हमला होने की आशंका बनी रहती है।

छत्तीसगढ़ में नक्सली समस्या से निपटना बनी चुनौती, सुरक्षा बलों पर लगातर हमले ने बढ़ाई चिंता

रविवार को राज्य के सुकमा जिले में स्थित एक शिविर से 'कोबरा वाहिनी' आगे अपने रास्ते जा रही थी। मगर वहां नक्सलियों ने बारूदी सुरंगों में आइईडी यानी परिष्कृत विस्फोटक यंत्र लगा रखे थे। वहां हुए विस्फोट में 'कोबरा' के दो जवान शहीद हो गए और कई बुरी तरह घायल हो गए। इस घटना के दो दिन पहले भी छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में नक्सलियों की एक टुकड़ी ने सुरक्षाबलों के शिविर पर हमला किया था, लेकिन तब जवानों ने उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया था।

जाहिर है, नक्सल प्रभावित इलाके में हालात अब भी बेहद संवेदनशील हैं और इस जटिल समस्या पर काबू पाने के लिए किए गए तमाम उपायों के बावजूद नक्सली समूहों की ओर से पेश चुनौती से पार पाना मुश्किल बना हुआ है। यह स्थिति तब है जब अक्सर सुरक्षा बलों की ओर से चलाए गए अभियानों में नक्सली मारे जाते हैं और अन्य स्तर पर कार्रवाई की जाती है। करीब दो महीने पहले छत्तीसगढ़ के कांकेर में सुरक्षा बलों ने एक मुठभेड़ में उनतीस नक्सलियों को मार गिराया था।

सरकार का दावा है कि अब राज्य में नक्सली समूहों पर नकेल कसा जा चुका है और उनका प्रभाव बहुत छोटे इलाके में ही सीमित रह गया है। विडंबना यह है कि व्यापक तलाशी अभियानों और संदिग्ध नक्सलियों के मारे जाने क बावजूद आज भी नक्सली हमलों में सुरक्षा बलों के जवानों की जान जा रही है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि नक्सलियों के कहर से निपटने और एक ठोस और स्थायी हल निकालने के लिए जितनी अहम उनके खिलाफ सुरक्षा बलों की सख्ती और कार्रवाई है, उसके समांतर इस समस्या के सामाजिक-आर्थिक पहलुओं में छिपे मूल स्रोत का हल निकालना भी जरूरी है।

संपादक-
गोपाल गावंडे

राजनीति

जय फलस्तीन पर फंसे असदुद्दीन ओवैसी, क्या जाएगी संसद की सदस्यता? राष्ट्रपति से हुई

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के अध्यक्ष और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने संसद में शपथ के दौरान जय फलस्तीन कहा था। ओवैसी के जय फलस्तीन नारे पर सियासी बवाल खड़ा हो गया है। साथ ही उनके खिलाफ शिकायत भी की गई है। सुप्रीम कोर्ट के वकील ने राष्ट्रपति के समक्ष ओवैसी की शिकायत की है।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (ढ्ढस्ढ्ढरू) के अध्यक्ष और हैदराबाद से लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी मुश्किल में फंस गए हैं। सांसद के तौर पर शपथ लेने के बाद जय फलस्तीन बोलने पर रार हो गई है। ओवैसी के खिलाफ राष्ट्रपति से शिकायत की गई है। बता दें कि ओवैसी हैदराबाद से सांसद चुने गए हैं। कल यानी 25 जून को नवनिर्वाचित सांसदों का शपथ ग्रहण समारोह था। अपना नंबर आने पर असदुद्दीन ओवैसी ने भी सांसद पद की शपथ ली, लेकिन इस दौरान उन्होंने कुछ ऐसा कहा जिस पर सियासी बवाल हो गया।

जय फलस्तीन पर मचा बवाल

ओवैसी ने शपथ से पहले बिस्मिल्लाह पढ़ा और उर्दू में शपथ ली, लेकिन शपथ के बाद उन्होंने जय भीम, जय मीम, जय तेलंगाना और जय फिलिस्तीन का नारा लगाया। ओवैसे के नारे के बाद कई सांसदों ने हंगामा खड़ा कर दिया।

ओवैसी को अयोग्य घोषित करने की मांग

इसी बीच, ओवैसी के खिलाफ राष्ट्रपति से शिकायत की गई है। सुप्रीम कोर्ट के वकील विष्णु शंकर जैन ने एक पोस्ट में लिखा कि संविधान के अनुच्छेद 102 और 103 के संदर्भ में असदुद्दीन ओवैसी के खिलाफ राष्ट्रपति के समक्ष शिकायत दर्ज की गई है। उनकी संसद की सदस्यता रद्द करने की मांग हुई है।

ओवैसी का जय फलस्तीन का नारा गलत : बीजेपी

जय फलस्तीन के नारे पर बीजेपी भड़क गई है। बीजेपी नेताओं ने इसकी निंदा की है। जी. किशन रेड्डी ने कहा कि संसद में असदुद्दीन ओवैसी द्वारा दिया गया जय फलस्तीन का नारा गलत है। यह सदन के नियमों के खिलाफ है। वह भारत में रहते हुए भी भारत माता की जय नहीं कहते हैं।

इंदौर में भाजपा नेता की हत्या के आरोपी गिरफ्तार

मंडीदीप में रिश्तेदार के यहां छिपे थे दोनों बदमाश; मर्डर के पीछे वर्चस्व जमाना था मकसद

आरोपी

आरोपी के घर पर तोड़-फोड़

इंदौर में बीजेपी नेता मोनू कल्याणे की हत्या के आरोपी पीयूष फतरोड़ और अर्जुन फतरोड़ को सोमवार सुबह गिरफ्तार कर लिया। उन्हें भोपाल के नजदीक मंडीदीप से पकड़ा गया। वे यहां एक रिश्तेदार के घर छिपे थे। पुलिस दोपहर साढ़े 12 बजे के बाद दोनों को लेकर इंदौर के एमजी रोड थाने पहुंची। आरोपियों से वारदात में इस्तेमाल पिस्टल और बाइक बरामद की है। कोर्ट से रिमांड पर लिया जा रहा है।

पूछताछ में अर्जुन ने कबूला है कि मोनू हमें काम धंधा नहीं करने देता था। जिन लोगों को भी ब्याज पर रुपए दे रखे थे, उन्हें रुपए वापस करने से रोक देता था। मुझे चोरी के केस में फंसाने की कोशिश की। कई बार हम लोगों से विवाद किया। परेशान हो गए थे। इसलिए उसे मार डाला। यह भी माना कि वारदात के लिए खरगोन जिले से पिस्टल अरैंज की गई थी।

पुलिस का कहना है कि मोनू की हत्या के पीछे राजनीतिक वर्चस्व और आपसी विवाद में रंजिश की बात सामने आ रही है। हत्याकांड में पर्दे के पीछे से भाजपा के ही एक नेता का नाम चर्चा में था जिसे पुलिस ने फिलहाल इंकार कर दिया है।

दोनों आरोपी पीयूष और अर्जुन आपस में मामा-भांजा हैं और भोपाल में रिश्तेदार के यहां छुपे थे। अर्जुन और पीयूष इंदौर में मोनू के BJP पार्टी में बढ़ते कद से परेशान थे। बताया गया कि डेढ़ महीने पहले परिवार में एक शादी प्रोग्राम के दौरान आरोपी अर्जुन का मोनू में विवाद हुआ था। तब मामला सुलझा लिया गया था।

आरोपियों की तलाश में कई जिलों में दबिश दी

पीयूष और अर्जुन को पकड़ने के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही थी। भोपाल, विदिशा में रिश्तेदार रहते थे। मोनू की कॉल डिटेल भी खंगाली। इंदौर-भोपाल रोड के टोल नाके पर दोनों बाइक से जाते दिखाई दिए थे। दोनों की आखिरी लोकेशन मंडीदीप के आसपास मिली थी। इसके बाद क्राइम ब्रांच ने दोनों की घेराबंदी कर गिरफ्तार कर ली।

भगवा यात्रा न निकालने के लिए मिल रही थी धमकियां

पुलिस मोनू द्वारा रविवार शाम निकाली जाने वाली भगवा यात्रा के एंगल पर भी जांच कर रही है। इसके लिए वह कई दिनों से प्रचार कर रहा था। दरअसल, मोनू ने बीते दिनों एक गैंगस्टर के धार्मिक यात्रा निकाले जाने के बाद से ही कहना शुरू कर दिया था कि वह इससे भी बड़ी यात्रा निकालेगा। इसी बात को लेकर गैंगस्टर से जुड़े भाजपा नेता और दूसरे लोग मोनू से चिढ़ गए थे। वे मोनू को यह यात्रा नहीं निकालने देना चाहते थे। इसके लिए लगातार उसे धमकी दे रहे थे।

मोनू का भाई बोला- हमारा विवाद नहीं

मोनू के भाई सोनू कल्याणे ने बताया हमारा व्यक्तिगत रूप से अर्जुन या उसके परिवार से कोई विवाद नहीं था। छोटे भाई मोनू से भी उसकी कोई सीधी रंजिश कभी देखने को नहीं मिली। हमें अहसास भी नहीं था कि किसी पुराने घटनाक्रम पर वह भाई की हत्या ही कर देगा।

सोनू ने बताया अर्जुन की बहन की डेढ़ महीने पहले ही शादी थी। रात में हवाई फायर करने के अलावा यहां डांस गर्ल बुलाई थी। तब पीयूष के दोस्त से विवाद हुआ था। आरोपियों ने इस दौरान एक लड़के का सिर फाड़ दिया। तब भी उनके परिवार का हंगामा करना पता चला था।

सोनू का दावा है कि आठ महीने पहले अर्जुन का नाम मोबाइल चोरी में आया था। पुलिस पकड़ने आई तो मोनू ने ही पुलिस से कहा था कि अर्जुन ऐसा नहीं कर सकता। यह काम उसने पड़ोसी होने के नाते किया था। बाद में अर्जुन को पुलिस ने भी थाने से छोड़ा था। परिवार के मुताबिक पीयूष और अर्जुन आपस में मामा-भांजे है। मोनू के परिवार से उनका कोई रिश्ता नहीं है, न ही मुंहबोला भांजा था। हत्याकांड के पहले ही परिवार वाले घर से भाग गए थे। यानी परिवार को घटनाक्रम की जानकारी थी।

राकेश नामक का नाम लिया, अब कुछ कहने से इंकार

मोनू के परिवार और भाई सोनू ने भाजपा से जुड़े राकेश नामक नेता पर शक जताया था। हालांकि, अब भाई ने कहा है कि अर्जुन और पीयूष को उनके साथ नहीं देखा। अब पुलिस जांच कर रही है तो जो भी सच होगा सामने आ जाएगा। अब इस मामले में कुछ भी नहीं कहना चाहते हैं।

पिस्टल मुहैया कराने वालों की तलाश

भाजपा युवा मोर्चा के नगर उपाध्यक्ष मोनू कल्याणे को शहरी विकास और आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का करीबी माना जाता था। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब 3 बजे एमजी रोड इलाके में मोनू को गोली मारी गई थी।

फायरिंग से पहले पीयूष और अर्जुन ने मोनू से भगवा यात्रा न निकालने की बात कही थी। अब पुलिस आरोपियों को पिस्टल मुहैया कराने वालों को तलाश रही है।

2018 में भाजपा युवा मोर्चा का उपाध्यक्ष बना

मोनू अपने इलाके के बाहुबली नेता से थप्पड़ खाने के बाद राजनीति में उतरा था। वह विजयवर्गीय गुट से जुड़ गया। 2018 में आकाश विजयवर्गीय के विधायक बनने के बाद उसे युवा मोर्चा में उपाध्यक्ष बना दिया गया।

मोनू कल्याणे से रंजिश रखने वाले लोग पहले से ही भाजपा नेताओं से जुड़े थे। वे मोनू का कद बढ़ने से रंजिश रखते थे और उसके वर्चस्व को खत्म करना चाहते थे।

मंत्री विजयवर्गीय बोले- इंदौर में लॉ एंड ऑर्डर बढ़िया, यहां गैंगवार नहीं होती

मामले में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा, एक पड़ोसी ने दूसरे पड़ोसी की हत्या की है। इसमें पुलिस क्या कर सकती है? दोनों के बीच के झगड़ों की जानकारी मुझे नहीं है। यहां लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति बढ़िया है। 10-20 मर्डर हुए हों, ऐसा कहीं नहीं है। कोई गैंगवार चल रहा हो, ऐसा तो कहीं नहीं है शहर में। मोनू पार्टी का बहुत अच्छा कार्यकर्ता था।

विहिप नेता शर्मा बोले- कोई भी हत्या छोटी नहीं होती

विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के प्रान्त प्रमुख संतोष शर्मा ने कहा कि मोनू कल्याणे हमारे बहुत अच्छे कार्यकर्ता थे। अभी भी वो भगवा यात्रा निकालने की तैयारी कर रहे थे। यह हत्याकांड इंदौर ही नहीं पूरे प्रदेश और देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। कोई भी हत्या छोटी नहीं होती। सरकार, शासन-प्रशासन अपना काम कर रहा है। जल्द ही आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस टीम को 30 हजार का इनाम देने की घोषणा

पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी करने वाली पुलिस की टीमों को 30,000 रुपए का पुरस्कार देने की घोषणा की है।

भक्ति और कर्म

आश्चर्य की बात है, की महाशिवरात्री के दिन लोग उपवास क्यों करते है ? मेरी कुछ समझ में नहीं आता यह प्रथा कौन से आधार पर बनायी गयी? या तो किसी चार सौ बीस लोगों ने शास्त्रों में यह बात लिखी है। आज के दिन उन्होंने गरल पिया था। और आप को भी आज के दिन हर चीज खाने की इजाजत है। आज आप गरल भी पी ले तो,` आज आपने बराबर निकाल लिया की आज आप उपवास करेंगे। मेरा आज इतने जोर से हृदय चक्र से खिंचाव पड़ रहा है। जिन जिन सहजयोगियों ने आज उपवास किया है मेरे हृदय चक्र को खिंचे जा रहा है। अंधानुकरण नहीं करना चाहिए सहजयोगियों को। सोच लेना चाहिए की जो दिन बड़ा ही ीु१ंड्ढल्ल का है, जिन्होंने गरल पी कर के संसार में विजय प्राप्त कर ली उस शिवजी का जब इतना बड़ा महोत्सव है, उस दिन भूखा मरना किसने बताया है? जिस दिन मनुष्य खुश होता है उस दिन ज्यादा ही खाता है। आज तो दो रोटी ज्यादा खाने का दिन है और आज सबने उपवास करके रखा हुआ है और इसलिए शिवजी सबसे नाराज है और इस चीज को शिवजी भी नहीं माफ कर सकते । तो हो गया आप लोगों का कल्याण! तभी आज सब दूर इतने बड़े बड़े शिव भक्त को पेहले ँ१३ ं३ू' आता है । आज खुशियाँ मनाने का दिन है। उन्होंने सारे संसार का जो कुछ भी गरल था उसे पी लिया। जो कुछ भी अहित था, जो कुछ भी पाप था, जो भी दुष्टता संसार में फैली हुई थी सबका उन्होंने शोषण कर लिया । ऐसे शिवजी के महान पर्व के दिवस में हमको इस तरह से मनहूस काम करना नहीं चाहिए। अगर हम किसी के जन्मदिवस पर उपवास करते है तो उसके मरने पर क्या हम लोग क्या खाना खाऐंगे? सब उल्टा कारबार हमारे यहाँ चलता रहता है। कोई मरता है, तो ब्राह्मण बैठ के खाना खाते है। जब कोई जन्म होता है, तो सब घरवाले लोग बैठ कर उपवास करते है। कैसे समझाया जाए ? कौन से शास्त्र में इसका आधार है ? और शास्त्रों में भी महामूरखों ने इस तरह की चीजें भर दी है । जिसको देखो उसको अपने शास्त्रों में दुनियाभर का अत्याचार कर दिया। एक सोच समझ रखनी चाहिए । आज के दिन उपवास का क्या अर्थ है? -21 फरवरी 1986

घर के मुख्य दरवाजे पर रखें ये चीजें

धन-धान्य में होगी वृद्धि

घर का मुख्य द्वार ऊर्जा का केंद्र माना जाता है। मुख्य द्वार को हमेशा साफ-सुथरा, रोशन भरा रखना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर की हर एक चीज में ऊर्जा मौजूद होती है। घर में गलत जगह पर गलत चीजें रखने या बनवाने से वास्तु दोष लगता है। घर के मुख्य दरवाजे पर कुछ चीजें रखने से मां लक्ष्मी का वास होता है और धन-धान्य में भी वृद्धि होती है। आइए जानते हैं घर की एन्ट्रेंस पर कौन सी लकी वस्तुएं रखनी चाहिए-

स्वास्तिक का चिन्ह

हिन्दू धर्म में किसी भी शुभ कार्य या पूजा-पाठ में स्वास्तिक का चिन्ह बनाया जाता है। इसलिए अपने घर में पॉजिटिव एनर्जी बढ़ाने के लिए मुख्य द्वार के दोनों तरफ स्वास्तिक का चिन्ह बनाएं।

घोड़े की नाल

घर के लिए घोड़े की नाल बेहद लकी मानी जाती है। घोड़े की नाल को हमेशा मुख्य द्वार के ऊपरी भाग में लगाया जाता है। इससे गुड लक बना रहता है।

सूर्य यंत्र

घर के मेन दरवाजे पर सूर्य यंत्र लगाना बहुत शुभ माना जाता है। इससे घर को बुरी नजर या नेगेटिव एनर्जी से बचाया जा सकता है।

तोरण लगाएं

आम के पत्तों का तोरण बनाकर मुख द्वार पर लगाएं। ध्यान रखें की तोरण में इस्तेमाल किए गए पत्ते हरे-भरे होने चाहिए न की कटे-फटे। इससे घर में पॉजिटिविटी बनी रहेगी।

शुभ-लाभ

घर के मुख द्वार के ऊपर या दाएं-बाएं भाग में लाल चंदन से शुभ-लाभ लिखें। शुभ-लाभ शुभ का प्रतीक है। इसे लिखने से घर की सुख-समृद्धि बढ़ती है।

दीपक जलाएं

घर के मुख्य द्वार पर शाम के वक्त रोज दीपक जलाएं, जिससे पॉजिटिव एनर्जी घर में प्रवेश कर सके। मान्यता है शाम के समय मुख्य द्वार पर दीपक जलाने से घर में मां लक्ष्मी का वास होता है।

ओपनिंग डे पर कमाई के रिकॉर्ड तोड़ेगी प्रभास की फिल्म, वर्ल्डवाइड 200 करोड कर सकती है कलेक्शन!

Kalki 2898 AD-प्रभास स्टारर फिल्म कल्कि 2898 एडी साल 2024 की मोस्ट अवेटेड फिल्म है. इस साइंस-फिक्शन फिल्म का काफी बज बना हुआ है.ऐसे में ये फिल्म ओपनिंग डे पर कमाल कर सकती है।

प्रभास-दीपिका पादुकोण की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' का रिलीज से पहले ही काफी क्रेजे देखा जा रहा है. फैंस इस साइंस-फाई फिल्म को बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेसब्र हो रहे हैं. मल्टी स्टारर इस फिल्म के ट्रेलर रिलीज के बाद से ही फैंस में फिल्म के लिए एक्साइटमेंट पीक पर है. ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि ये फिल्म पहले दिन वर्ल्डवाइड बंपर कमाई कर सकती है.

कल्कि 2898 एडी की रिलीज में बस एक दिन बचा हुआ है. वहीं फिल्म की जमकर एडवांस बुकिंग हो रही है. लोगों में प्रभास स्टारर इस फिल्म का फर्स्ट डे फर्स्ट शो देखने की भी होड़ नजर आ रही हैं.

वहीं धड़ाधड़ हो रही एडवांस बुकिंग को देखकर लग रहा है कि प्रभास की फिल्म रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ा देगी.

'कल्कि 2898 एडी' 27 जून को पैन इंडिया रिलीज हो रही है, ये पहली इंडियन फिल्म है जो 210 आईमैक्स स्क्रीन्स पर रिलीज होने वाली है. फिल्म का 2डी, 3डी वर्जन हिंदी, तमिल और तेलुगू में रिलीज होगा.

वहीं मोस्ट अवेटेड पैन इंडियन फिल्म कल्कि 2898 एडी के बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ शुरुआत करने की उम्मीद की जा रही है. इंडस्ट्री ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, डायस्टोपियन साइंस-फिक्शन फिल्म वर्ल्डवाइड रिलीज के पहले दिन 200 करोड़ रुपये तक की कमाई कर सकती है.

वहीं सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक घरेलू बाजार में ये फिल्म 120-140 करोड़ की ओपनिंग कर सकती है. जिसमें अकेले आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से 90-100 करोड़ का कलेक्शन करने की उम्मीद की जा रही है.

वहीं नॉर्थ इंडिया में ये फिल्म 20 करोड़ और कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल में 15 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर सकती है. अगर ऐसा होता है तो ये न केवल साल 2024 के लिए एक रिकॉर्ड होगा. बल्कि पैन इंडिया स्टार के लिए भी एक बड़ा रिकॉर्ड साबित होगा.

कल्कि 2898 एडी पहले दिन 60 करोड़ रुपये से 70 करोड़ रुपये के बीच और कंबाइंड ग्लोबल लेवल पर 180 करोड़ रुपये से 210 करोड़ रुपये के बीच ओपिनंग कर सकती है.

इसी के साथ प्रभास की 'कल्कि 2898 एडी' आरआरआर और बाहुबली 2 के बाद बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ की ओपनिंग लेने वाली तीसरी फिल्म बन सकती है.

रोहित शर्मा की बैटिंग से टूट गए व्यूवरशिप के सभी रिकॉर्ड, हिटमैन की बल्लेबाज़ी ने रचा नया इतिहास

इस टी20 वर्ल्डकप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रोहित शर्मा की बैटिंग के दौरान व्यूवरशिप के सभी रिकॉर्ड टूट गए. हिटमैन की बैटिंग ने नया रिकॉर्ड बना दिया.

रोहित शर्मा को अपनी बल्लेबाज़ी से रिकॉर्ड तोड़ने के लिए जाना जाता है. हिटमैन के नाम से मशहूर भारतीय कप्तान अक्सर चौके और छक्के लगाकर कोई न कोई रिकॉर्ड या तोड़ देते हैं, लेकिन इस बार रोहित ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में व्यूवरशिप के सभी रिकॉर्ड धराशाई कर दिए. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सुपर-8 के मैच में रोहित शर्मा गज़ब की लय में दिखाई दिए थे, जिसके चलते उन्होंने व्यूवरशिप के मामले में नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में रोहित शर्मा टी20 वर्ल्ड कप का सबसे तेज़ शतक लगाने से चूक गए थे, लेकिन उनकी बैटिंग के दौरान व्यूवरशिप का नया रिकॉर्ड कायम हो गया था. दरअसल जब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में रोहित शर्मा ताबड़तोड़ बैटिंग कर रहे थे, तब हॉटस्टार पर 3.1 करोड़ लोग लाइव देख रहे थे. यह आंकड़ा अब तक इस विश्व कप में व्यूवरशिप के मामले में सबसे ज़्यादा है. इससे पहले जब पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए मैच में ऋषभ पंत बैटिंग कर रहे थे, तब करीब 2.8 करोड़ लोग देख रहे थे.

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धुंआधार बैटिंग कर हिटमैन ने लूटी थी महफिल

बता दें कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सुपर-8 के मैच में रोहित शर्मा ने धुआंधार से बैटिंग से मानिए महफिल ही लूट ली थी. भारतीय कप्तान ने 41 गेंदों में 7 चौके और 8 छक्कों की मदद से 92 रन बनाए थे. इस दौरान रोहित अपने शतक से चूक गए थे. ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज़ रोहित शर्मा के सामने बिल्कुल बेबस नज़र आ रहे थे.

ऑस्ट्रेलिया को हराकर सेमीफाइनल में पहुंची थी टीम इंडिया

गौरतलब है कि टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर इस विश्व कप के सेमीफाइनल में कदम रखा था. ऑस्ट्रेलिया के मैच में टीम इंडिया ने सुपर-8 की लगातार तीसरी जीत हासिल की थी. ऑस्ट्रेलिया से पहले भारत ने सुपर-8 में अफगानिस्तान और बांग्लादेश को हराया था. इससे पहले ग्रुप चरण में भारत ने सभी मैच जीते थे. सेमीफाइनल तक पहुंचने में टीम इंडिया ने एक भी मैच नहीं गंवाया है. अब भारत का सेमीफाइनल मैच इंग्लैंड के खिलाफ 27 जून को होगा.

RESIDENTIAL PLOTS
FOR SALE

तुरन्त रजिस्ट्री। तुरन्त पजेशन

PLOT SIZE:-
12*50 = 600, SQFT
15*40= 600SQFT
15*50= 750SQFT
20*50= 1000 SQFT

1111/- SQFT

Book an appointment now:
8889066688, 9109639404

WWW.GATEWAYGHAR.IN

विकासखण्ड स्तर पर नवीन मिट्टी परीक्षण प्रयोगशालाओं के भवन एवं उपकरणों को युवा उद्यमियों एवं संस्थाओं को उपलब्ध कराने की स्वीकृति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में हुई।मंत्रि-परिषद द्वारा विकासखण्ड स्तर पर कृषकों को मिटटी परीक्षण की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के द्वारा नवीन मिटटी परीक्षण प्रयोगशालाओं के भवन एवं यथा उपलब्ध प्रयोगशाला उपकरणों को युवा उद्यमियों/संस्थाओं को उपलब्ध कराये जाने की स्वीकृति दी गई है। इससे युवा उद्यमियों/संस्थाओं के माध्यम से किसानों के मृदा नमूनों का परीक्षण कराकर मृदा स्वास्थ्य कार्ड (स्वाइल हैल्थ कार्ड) उपलब्ध कराये जाएंगे।

मध्यप्रदेश स्थानीय प्राधिकरण अधिनियम 1964 में संशोधन

मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश स्थानीय प्राधिकरण (निर्वाचन अपराध) अधिनियम 1964 (अद्यतन 2014) में संशोधन का निर्णय लिया गया है। भारत निर्वाचन आयोग के लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126 के खण्ड (ख) में प्रिन्ट मीडिया सम्मिलित नहीं होने से लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के अनुरूप करने के लिए म.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग की अनुशंसा अनुसार मध्यप्रदेश स्थानीय प्राधिकरण (निर्वाचन अपराध) अधिनियम 1964 की धारा 3(1) के (ख) में संशोधन कर विद्यमान प्रावधान में से शब्द प्रिन्ट मीडिया के विलोपन की स्वीकृति मंत्रि परिषद द्वारा दी गई।

सी.एस.आर निधियों के उपयोग से वृक्षारोपण की नीति में संशोधन

मंत्रि-परिषद ने राजपत्र दिनांक 10 दिसम्बर 2021 में प्रकाशित संयुक्त/सामुदायिक वन प्रबंधन समितियों के माध्यम से सी.एस.आर./सी.ई.आर. निधियों के उपयोग से वृक्षारोपण की नीति में संशोधन का निर्णय लिया।

अन्य राज्यों में संचालित सैनिक स्कूलों में अध्ययनरत् मध्यप्रदेश राज्य के मूल निवासी छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति दिये जाने का निर्णय

मंत्रि-परिषद द्वारा अन्य राज्यों में संचालित सैनिक स्कूलों में अध्ययनरत मध्यप्रदेश के मूल निवासी छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति देने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि सैनिक स्कूल एक विशिष्ट शिक्षा प्रधान प्रतिष्ठान हैं। राज्य के बाहर के सैनिक स्कूलों में अध्ययनरत म.प्र. राज्य के मूल निवासी छात्र/छात्राओं के लिए छात्रवृति का प्रावधान किये जाने से प्रदेश के युवाओं में सैनिक स्कूलों में प्रवेश के लिए उत्साह बढ़ेगा।

रेल परियोजनाओं से संबंधित मध्यप्रदेश कार्य (आवंटन) नियम में संशोधन का निर्णय

मंत्रि-परिषद द्वारा रेल परियोजनाओं से संबंधित कार्य परिवहन विभाग से लेकर लोक निर्माण विभाग को सौंपे जाने के लिए मध्यप्रदेश कार्य (आवंटन) नियम में संशोधन करने का निर्णय लिया गया। नई रेल लाईनों के प्रस्ताव और उनका निर्माण एवं निर्माण कार्यों के लिए रेल विभाग से समन्वय का कार्य अब लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जायेगा।

मध्यप्रदेश नगर पालिका (संशोधन) विधेयक 2024

मंत्रि परिषद द्वारा मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के प्रस्ताव अनुसार विधि एवं विधायी कार्य विभाग के परामर्श से मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1961 की धारा 20 और 45 में संशोधन किये जाने के संबंध में मध्यप्रदेश नगर पालिका (संशोधन) विधेयक 2024 पर मंत्रि परिषद द्वारा स्वीकृति दी गई।

मध्यप्रदेश सुधारात्मक सेवायें एवं बंदीगृह विधेयक, 2024 को

विधानसभा में पुर:स्थापित कर पारित कराने का निर्णय

मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश सुधारात्मक सेवायें एवं बंदीगृह विधेयक, 2024 को विधानसभा में पुर:स्थापित कर पारित कराने का निर्णय लिया है। साथ ही समस्त कार्यवाही किये जाने के लिए जेल विभाग को अधिकृत किया गया है।

भारतीय खेल प्राधिकरण को ग्राम गौरा में भूमि आवंटन का निर्णय

मंत्रि-परिषद द्वारा भारतीय खेल प्राधिकरण, भोपाल को खेल गतिविधियों के संचालन के लिए ग्राम गौरा तहसील हुजूर, भोपाल में लगभग एक एकड़ भूमि (पूर्व आवंटित भूमि के अतिरिक्त) आवंटित किये जाने का निर्णय लिया गया।

इंदौर में जमीनों का गोरखधंधा

खेती की जमीनें 2 से, 4 हजार वर्गफीट टुकड़ों में बिक रही, सबसे ज्यादा राऊ, सांवेर, देपालपुर और जूनी इंदौर में

अवैध कॉलोनियां और अधूरे विकास की लगातार शिकायतें मिलने के बाद प्रशासन अलग-अलग तरीके अपना रहा है, ताकि इन पर रोक लग सके। शहरी सीमा से लगे गांवों में एक ओर जहां बिना रैरा अनुमति के प्लॉट बेचने वालों पर कार्रवाई जारी है।

वहीं प्रशासन ने अब खेती की जमीन के छोटे-छोटे टुकड़ों के रूप में खरीदी-बेची जाने वाली कॉलोनियों की जानकारी पंजीयन विभाग से निकलवाई है। इंदौर जिले में आसे 140 नाम सामने आए हैं, जिन्होंने खेती की जमीन में से कहीं 4 हजार तो कहीं 2 हजार वर्ग फीट जमीन ही बेच दी।

प्रशासन का मानना है कि इससे अवैध कॉलोनाइजेशन हो रहा है। प्रशासन अब एसडीएम के माध्यम से इनकी जांच करवा रहा है। गड़बड़ी मिलने पर पहले नोटिस जारी होंगे, फिर जरूरत पड़ने पर एफआईआर भी होगी।

अधिकारियों का मानना है कि इससे एक समग्र प्लानिंग और विकास नहीं हो पाता। ड्रेनेज, सड़क, पानी सहित कई समस्या बाद में रहवासियों को आती है। जिला कॉलोनी सेल प्रभारी और एसडीएम प्रदीप सोनी ने बताया कि कलेक्टर ने सभी एसडीओ, एसडीएम से रिपोर्ट बुलवाई है। अब इसकी पड़ताल कर रहे हैं। नोटिस देकर उन्हें सुनने के बाद आगे की कार्रवाई करेंगे।

हमारा उद्देश्य ऐसे लोगों को हितों की रक्षा करना है, जो जीवनभर

की पूंजी प्लॉट खरीदने में लगा देते हैं। कुछ लोग व्यक्तिगत हित देखते हैं और इनके साथ धोखाधड़ी करते हैं, उन्हें तलाशा जा रहा है। कई लोगों ने टेंट लगाकर, बाइक लेकर सड़क किनारे ही प्लॉट बेचने की दुकानें शुरू कर दी हैं।

कैनोपी लगाकर प्लॉट बेच देते हैं, सालों विकास नहीं होता

प्रशासन को शिकायतें मिली कि खेत की जमीन ही दिखाकर कम दाम में प्लॉट देने के वादे करते हैं, फिर सालों विकास नहीं होता, जबकि पैसे पहले जमा करवा लेते हैं। नियम के मुताबिक रैरा कहता है कि कोई भी बिल्डर रैरा अनुमति के बिना प्रमोशन नहीं कर सकता। यह निर्देश पहले भी दिए गए थे। अब पालन हो रहा है। जो ब्रोकर, प्रमोटर कॉलोनी का प्रमोशन करते हैं, तो उनका भी रजिस्ट्रेशन होना अनिवार्य है।

कहां-कितने छोटे खसरे बिके... तहसीलवार जानकारी में अधिकांश हिस्सा ग्रामीण क्षेत्र का

बिचौली हप्सी तहसील क्षेत्र के मोरोद में 5, जामन्या में 5, बिहाड़िया में 7, कैलोद करताल में 5, सनावदिया, उमरियाखुर्द में 3, इंदौर तहसील के कैलोद करताल में 5, सुखलिया में 5, भानगढ़, निपानिया में 2 के अलावा सांवेर में 15 से ज्यादा रजिस्ट्री छोटे खसरों पर हुई है इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में सिमरोल, गवली-पलासिया, काली बिल्लौद, मेठवाड़ा, उषापुरा, रणमल बिल्लौद, भांग्या, जूनी इंदौर तहसील में बिलावली के वार्ड 77 में चार, खुड़ैल, टिगरिया बादशाह, छोटा बांगड़दा, डोंगरगांव, मांगलिया सड़क, हांसाखेड़ी, कस्बा रावेर, पिपलई, पीर कराड़िया, कछालिया, रतनखेड़ी, चंद्रावतीगंज, सोलसिंदा, बूढ़ी बरलई, कायस्थखेड़ी के नाम शामिल हैं।

रिपोर्ट में गड़बड़ियां मिली तो एफआईआर भी करवाएंगे

कई शिकायतें ऐसी मिली हैं, जिसमें डेवलपर बिना रैरा के न केवल अपनी प्रॉपर्टी का प्रमोशन करते हैं, बल्कि एडवांस बुकिंग के नाम पर भी लाखों रुपए ले लेते हैं। इसके अलावा खेत के टुकड़े करके बेचे जा रहे हैं। इन पर कोई नियंत्रण नहीं है। इसलिए डिटेल मांगी है। रिपोर्ट के आधार पर जो भी गलत होगा, उन पर एफआईआर तो होगी, पीड़ितों की राशि भी वापस करवाई जाएगी।

- आशीष सिंह, कलेक्टर

संस्था लोक संस्कृति मंच पर 21 हजार रु. का फाइन

आयोजन के बाद लालबाग परिसर में पड़ी थी गंदगी; सांसद की संस्था को निगम ने थमाया नोटिस

सांसद शंकर लालवानी की लोक संस्कृति मंच संस्था पर नगर निगम ने 21 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। निगम ने संस्था के कार्यालय पर चालान भेजा गया है।

दरअसल यहां मालवा उत्सव चल रहा था। मेला समाप्त होने के बाद संस्कृति मंच ने परिसर में ही गंदगी छोड़ दी थी। सुबह सफाई के दौरान परिसर में टूटे डिब्बे, फटे फ्लैक्स आदि फैला हुए था। इस मेले में 100 से ज्यादा स्टॉल लगे थे। उनमें से कुछ स्टॉल का कचरा यहां पड़ा था। इसके बाद निगम ने संस्था को 21 हजार रु. अर्थ दंड का नोटिस भेजा है। हालांकि अभी इसका भुगतान नहीं हुआ है।

इंदौर के समाजसेवी बांट रहे किताब, कॉपी और स्कूल बैग

विद्यार्थी केवल पढ़ाई करें, बाकी चिंता रघुवंशी करेंगे, वितरण व्यवस्था के लिए बनाई 20 लोगों की टीम

प्रदेश के कई शहरों और गांवों के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में किताब, कॉपी, बैग और ड्रेस का वितरण किया जा रहा है। जो पेरेंट्स फीस नहीं दे सकते हैं, उनकी फीस भी दी जा रही है। यह काम इंदौर के एक समाजसेवी नितिन रघुवंशी कर रहे हैं। वे मरीमाता क्षेत्र में वृंदावन कॉलोनी और सांवेर में निवास करते हैं। उन्होंने बताया कि वे बिना किसी की मदद लिए सेवा कार्य कर रहे हैं। अभी इंदौर के साथ ही उज्जैन, देवास और इनके आसपास के गांवों में वितरण चल रहा है। रघुवंशी इंदौर के 250 से अधिक सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में शिक्षा सामग्री का वितरण कर चुके हैं।

समाजसेवी नितिन रघुवंशी कहते हैं कि किताब, कॉपियां और बैग पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठते हैं यह देखकर उन्हें बहुत खुशी मिलती है। कई बच्चे पुस्तक मिलने के साथ ही उसे पढ़ने लगते हैं। समाजसेवी रघुवंशी विद्यार्थियों को पुस्तक संभालकर रखने और उससे सीखने के तरीके भी बताते हैं।

हर दिन 50 स्कूलों में पहुंच रही टीम

रघुवंशी ने वितरण व्यवस्था के लिए 20 लोगों की टीम बनाई है। यह टीम दिन में 50 स्कूलों के बच्चों को किताब, कॉपी, बैग का वितरण कर रहे हैं। प्रदेश के कई शहरों और गांवों में वितरण कार्य जारी है। रघुवंशी स्कूलों में जाकर बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें पुस्तक की महत्ता भी बतलाते हैं। उन्होंने बताया कि शिक्षा सामग्री बच्चों के पठन-पाठन व शैक्षणिक विकास में मिल का पत्थर साबित होगी। उन्होंने सभी अभिभावकों से बच्चों को विद्यालय भेजने की अपील की है। बच्चों के जो माता-पिता फीस नहीं भर सकते हैं, वे अपने बच्चों को स्कूल भेजें। फीस और किताब-कॉपी की चिंता समाज सेवी नितिन रघुवंशी करेंगे। रघुवंशी ने जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए एक व्हाट्सएप नंबर 9201220092 भी जारी किया है।

पौधारोपण और स्वास्थ्य शिविर भी

रघुवंशी घर-घर जाकर पौधा वितरण भी कर रहे हैं। इसके साथ ही इंदौर जिले के कई गांवों में स्वास्थ्य शिविर भी लगा रहे हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)